महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली
MAHATMA JYOTIBA PHULE ROHILKHAND UNIVERSITY, BAREILLY

पत्रांकः एम.जे.पी.रू.वि./कु.स.का./2020/401 दिनांकः 02.09.2020

सेवा में,

1. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष
   विश्वविद्यालय परिसर
2. प्राचार्य/प्राचार्या/निदेशक/सचिव
   सम्बद्ध महाविद्यालय, बरेली

विषयः **"कोविड–19 महामारी एवं शिक्षक की भूमिका" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार में शिक्षकों को जुड़ने हेतु प्रोत्साहन के सम्बन्ध में।**

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषयक श्री संतोष कुमार गंगवार, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सरकार एवं डॉ0 राजीव यादव, सचिव, उद्भव सोशल वेलफेयर सोसायटी, बरेली के पत्र दिनांक 29.08.2020 के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि दिनांक 06 सितम्बर, 2020 (रविवार) को प्रातः 11 बजे से राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से ''कोविड–19 महामारी एवं शिक्षक की भूमिका'' विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल जी ने अपनी सहमति प्रदान की है।

अतः आपसे आग्रह है कि उपरोक्त महत्वपूर्ण एक दिवसीय वेबिनार में अपने विभाग/महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों को पंजीकरण हेतु प्रोत्साहित करने का कष्ट करें।

उक्त वेबिनार में पंजीकरण मो0 नंबर 9897232716, ई–मेल udbhavsws@rediffmail.com पर सम्पर्क कर अथवा https://forms.gle/Kr6JogbKpovbbrBa8 लिंक के उपयोग द्वारा किया जा सकता है।

भवदीया,

Pandey

कुलसचिव

प्रतिलिपिः

1. निजी सचिव, श्री संतोष कुमार गंगवार, श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार।
2. सचिव, उद्भव सोशल वेलफेयर सोसायटी, चैम्बर–21, प्रथम तल, बड़ा वकालतखाना, निकट उप–डाकघर, कचहरी, बरेली।
3. निजी सचिव कुलपति को मा0 कुलपति जी के संज्ञानार्थ।
4. सहायक कुलसचिव, सम्बद्धता।

कुलसचिव

उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी, बरेली (उ.प्र.)

एवं

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, नई दिल्ली

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय ई-संगोष्ठी

''कोविड-19 महामारी में शिक्षक की भूमिका''

दिनांक : 06 सितम्बर 2020 (रविवार)

समय : पूर्वान्ह 11 बजे

:: मुख्य अतिथि ::

श्रीमती आनन्दीबेन पटेल

महामहिम राज्यपाल
उत्तर प्रदेश

:: मुख्य वक्ता ::

श्री अतुल भाई कोठारी

राष्ट्रीय सचिव
शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास
नई दिल्ली

:: संरक्षक ::

श्री संतोष कुमार गंगवार

माननीय श्रम एवं
रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
भारत सरकार

:: विशिष्ट अतिथि ::

श्री अवधेश माहेश्वरी

वरिष्ठ समाचार सम्पादक
दैनिक जागरण, बरेली-मुरादाबाद

:: विशिष्ट अतिथि ::

डा0 पायल मागो

प्राचार्या
शहीद राजगुरू कॉलेज
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

:: विशिष्ट अतिथि ::

डा0 विजय कुमार

क्षेत्रीय निदेशक / उप सचिव
एन.सी.टी.ई., नई दिल्ली

:: आयोजन सचिव ::

डा0 राजीव यादव

सचिव
उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी
बरेली उ.प्र.

उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी –

उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी बरेली उ०प्र० की स्थापना दिनांक 29.04.2019 को अधिनियम संख्या 21/1807 के अधीन की गयी है। उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी बरेली उ०प्र० एक स्वंयसेवी सामाजिक संस्था है जिसका उद्देश्य विभिन्न सामाजिक, प्राकृतिक विषयों पर जन जागरण के माध्यम से आम जनमानस को जागरूक करना है। सामाजिक उत्थान हेतु समय–समय पर विचार गोष्ठियाँ विविध जागरूकता कार्यक्रम संस्था द्वारा किये जाते हैं। युवक व युवतियों को वृक्षारोपण हेतु जागरूक करना, समाज में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना संस्था के प्रमुख कार्य हैं।

केरल में मादा गर्भवती हाथी को कुछ लोगों द्वारा बम से मारे जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर संस्था द्वारा भारत के माननीय गृहमंत्री जी से दोषियों पर त्वरित कार्यवाही एवं वन्य जीव संरक्षण हेतु कड़े नियम बनाने की माँग की गयी। वर्तमान कोविड–19 महामारी से बचाव हेतु एस.आर.एम. राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय बरेली के सहयोग से जून माह में जागरूकता अभियान "आपका स्वास्थ्य–आपके हाथ" चलाया गया तथा केन्द्रीय भूजल निकाय, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से दिनांक 05 जुलाई 2020 को भूजल संरक्षण पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हाल ही में उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी बरेली उ०प्र० द्वारा दिनांक 19 जुलाई 2020 को राष्ट्रीय औषधीय पादप निकाय, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से औषधीय पौधों का दैनिक जीवन में महत्व विषय पर राष्ट्रीय ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद–

1973 के पूर्व राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की भूमिका अध्यापक शिक्षा से सम्बन्धित सभी विषयों पर केन्द्रीय और राज्य सरकारों के लिए एक सलाहकार निकाय के रूप में थी। एक सांविधिक निकाय के रूप में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद अधिनियम–1993 के अधीन (1993 का 73वाँ) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद 17 अगस्त 1995 से अस्तित्व में आयी। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद का मूल उद्देश्य समूचे भारत में अध्यापक शिक्षा प्रणाली का नियोजित और समन्वित विकास करना, अध्यापक शिक्षा प्रणाली में मानदंडो और मानकों का विनियमन तथा उन्हें समुचित रूप से बनाये रखना और तत्सम्बन्धी विषय हैं।

ई–संगोष्ठी का उद्देश्य–

कोविड–19 महामारी के कारण व्यापारिक, सामाजिक गतिविधियों के साथ शिक्षा क्षेत्र भी अत्यधिक प्रभावित हुआ है। कक्षा में अध्यापन का स्थान धीरे–धीरे ऑनलाइन कक्षायें लेती जा रही हैं। अध्यापक से अपेक्षा है कि वह बदले परिदृश्य में भी छात्रों के साथ ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शैक्षिक उन्नयन को बनाये रखें। ऐसे वैश्विक संक्रमण के समय अध्यापक की सार्थक भूमिका क्या हो सकती है। किस प्रकार से छात्र–छात्राओं के मन मस्तिष्क से महामारी के भय को दूर करने के साथ–साथ उन्हें भविष्य की दिशा दी जा सकती है। इन सभी विषयों पर वेबीनार में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों द्वारा मंथन किया जायेगा।

आयोजन समिति –

- श्री चंद्र प्रकाश गोस्वामी, एड., अध्यक्ष, उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी बरेली, उ०प्र०।
- डॉ० रण विजय सिंह, उपाध्यक्ष, उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी बरेली, उ०प्र०।
- डॉ० निशा वर्मा, सहायक प्राध्यापक, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर (रामपुर) उ०प्र०
- डॉ० उमराव सिंह दानू, सहायक प्राध्यापक, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मनीला (अल्मोड़ा) उत्तराखण्ड।
- सुश्री समन इक्तेदार, सम्पर्क संयोजक, ई–संगोष्ठी।
- सुश्री हिरा जाहिद, सम्पर्क संयोजक, ई–संगोष्ठी।
- श्री नरेश कुमार, कोषाध्यक्ष, उद्भव सोशल वेलफेयर सोसाइटी बरेली उ०प्र०।

सलाहकार समिति –

- डॉ० सुरेन्द्र भरद्वाज, एम.डी. विश्वविद्यालय, रोहतक हरियाणा।
- डॉ० योगेश कुमार, आत्माराम सनातन धर्म. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- डॉ० उदय चटर्जी, भट्टर कॉलेज, मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल।
- डॉ० सुरंजन दास, असम विश्वविद्यालय, सिलचर।
- डॉ० कौशिक भुइयाँ, डॉन बास्को विश्वविद्यालय, गुवाहटी।
- डॉ० रमेश कुमार अहिरवार, गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़।
- डॉ० अनुराग श्रीवास्तव, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर, उत्तराखण्ड।

:: नोट ::

ई–संगोष्ठी का आयोजन गूगल मीट पर किया जायेगा, जिसका लिंक सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को संगोष्ठी के व्हॉट्सएप ग्रुप व पंजीकृत ई–मेल आई.डी. पर भेजा जायेगा। प्रतिभागी ई–संगोष्ठी में हमारे यू–ट्यूब चैनल उद्भव के लिंक

https://www.youtube.com/channel/UCDDrULQ2pgFd3_Ej4f3grug?view_as=subscriber

के माध्यम से भी जुड़ सकते हैं। कृपया ध्यान रखें कि प्रथम 250 प्रतिभागी ही गूगल मीट द्वारा जुड़ सकते हैं यदि आपको गूगल मीट से जुड़ने में असुविधा हो तब हमारे यू–ट्यूब चैनल लिंक के माध्यम से जुड़े तथा चैनल को सब्सक्राइव करने के साथ कमेन्ट बॉक्स में अपना नाम व पता अवश्य लिखें। समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र संगोष्ठी में उनकी उपस्थिति तथा फीडबैक प्रतिक्रिया के आधार पर ही दिया जायेगा।

पंजीकरण हेतु लिंक टच करें :

https://forms.gle/e4vDonNZ6xL4UPpf

सम्पर्क सूत्र : 09897232716
ई–मेल : udbhavsws@rediffmail.com